

रजिस्टर्ड नं० पी०/एम० एम० 14.



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (बसाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यपालन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 14 दिसम्बर 1985/23 अ हायण, 1907

हिमाचल प्रदेश सरकार

विधि विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 20 नवम्बर, 1985

संख्या एल०एल०आर०डी (6) 17/85.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 200 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तारीख 26 अगस्त, 1985 को उन द्वारा यथा अनुमोदित हिमाचल प्रदेश स्थानीय क्षेत्र में माल के प्रवेश पर कर विधेयक, 1985 (1985 का विधेयक संख्यांक 12)

को 1985 के हिमाचल प्रदेश अधिनियम संख्यांक 11 के रूप में उक्त संविधान के अनुच्छेद 348 (3) के अधीन उसके प्राधिकृत अंग्रेजी पाठ सहित राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित करते हैं ।

आदेश द्वारा,  
मृगेन्द्र सिंह,  
सचिव ।

## हिमाचल प्रदेश स्थानीय क्षेत्र में माल के प्रवेश पर कर अधिनियम, 1985

राज्यपाल द्वारा दिनांक 26 अगस्त, 1985 को यथा अनुमोदित

हिमाचल प्रदेश के स्थानीय क्षेत्र में उपभोग, उपयोग या विक्रय के लिए माल के प्रवेश पर प्रवेश कर उद्गृहीत करने का उपबन्ध करने के लिए—

### अधिनियम

भारत गणराज्य के छत्तीसवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :—

1. (1) इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश स्थानीय क्षेत्र में माल के प्रवेश पर कर अधिनियम, 1985 है।

संक्षिप्त नाम,  
विस्तार और  
प्रारम्भ।

(2) इसका विस्तार हिमाचल प्रदेश के समस्त स्थानीय क्षेत्रों पर है।

(3) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

2. इस अधिनियम में, जब तक कि कोई बात विषय या संदर्भ में विरुद्ध न हो :—

परिभाषाएं।

(क) "स्थानीय क्षेत्र में माल के प्रवेश" से इसके सभी व्याकरणिय रूप में और सजातीय पदों सहित स्थानीय क्षेत्र में राज्य के बाह्य स्थान सहित उसके किसी बाह्य स्थान से उपभोग, उपयोग या विक्रय के लिए माल का प्रवेश अभिप्रेत है ;

(ख) "प्रवेश कर" से स्थानीय क्षेत्र में उपभोग, उपयोग या विक्रय के लिए माल के प्रवेश पर इस अधिनियम के उपबन्धों के अनुसार उद्गृहीत और संदेय कर अभिप्रेत है ;

(ग) "स्थानीय प्राधिकरण संबंधी विधि" से, यथास्थिति, छावनी अधिनियम, 1924, हिमाचल प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1968 और हिमाचल प्रदेश नगरनिगम अधिनियम, 1979 अभिप्रेत है ;

(घ) "स्थानीय क्षेत्र" से स्थानीय प्राधिकरण की परिसीमाओं में समाविष्ट क्षेत्र अभिप्रेत है ;

(ङ) "स्थानीय प्राधिकरण" से स्थानीय प्राधिकरण संबंधी विधि के अधीन गठित प्राधिकरण अभिप्रेत है, किन्तु इसके अन्तर्गत वह स्थानीय प्राधिकरण नहीं होगा जिसे राज्य सरकार, अधिसूचना द्वारा विनिर्दिष्ट करे ;

(च) स्थानीय क्षेत्र के संबंध में "स्थानीय माल" से उस स्थानीय क्षेत्र में प्रविष्ट माल से सुभिन्न स्थानीय मूल का माल अभिप्रेत है ;

(छ) "विक्रय कर अधिनियम" से हिमाचल प्रदेश साधारण विक्रय कर अधिनियम, 1968 अभिप्रेत है ;

(ज) अनुसूची-1 में विनिर्दिष्ट माल के संबंध में "कराघेय बाजार मूल्य" से उस माल, जिस पर धारा 3 की उप-धारा (1) के प्रथम परन्तुक के खण्ड (ii) से (iv) लागू हैं, के बाजार मूल्य को प्रपञ्चित करते हुए उसका बाजार मूल्य अभिप्रेत है ;

1924 का 2  
1968 का 19  
1980 का 9

1968 का 24

- (अ) अनुसूची-1 में विनिर्दिष्ट माल के संबंध में "कराधेय क्रय मूल्य" से उस माल, जिस पर धारा 3 की उप-धारा (1) के प्रथम परन्तुक के खण्ड (ii) से (iv) तक लागू है, के बाजार मूल्य को अपवर्जित करते हुए उसका क्रय मूल्य अभिप्रेत है ;
- (अ) व्योहारी के सम्बन्ध में "कराधेय मात्रा" से कराधेय क्रय मूल्य और कराधेय बाजार मूल्य का योग अभिप्रेत है ;
- (ट) "संकर्म संविदा" से इमारतों और अन्य स्थावर संपत्ति और जंगम या स्थावर संपत्ति में फिटिंग और प्रतिष्ठापन जैसे निर्माण संकर्म, जिसके निष्पादन में माल का उपभोग या उपयोग किया जाता है किन्तु बेचा नहीं जाता, से संबंधित संविदा अभिप्रेत है ।

(2) उन पदों के, जो इसमें प्रयुक्त हैं किन्तु इस अधिनियम में परिभाषित नहीं हैं और विक्रय कर अधिनियम में परिभाषित हैं, वे ही अर्थ होंगे जो उस अधिनियम में उनके हैं ।

1968 का 21

(3) इस अधिनियम में इसके व्याकरणाय रूप शब्दों और सजातीय पदों, सहित "माल का प्रवेश किया है" पद के लिए किसी निर्देश का, चाहे पृथकतः या अन्य शब्दों के सहयोग में प्रयुक्त किया गया हो, जहां कहीं आवश्यक हो "माल के प्रवेश को कारित किया गया" के निर्देश सहित अर्थ लगाया जाएगा ।

कर का भार ।

3. (1) व्योहारी के कारबार के दौरान प्रत्येक ऐसे क्षेत्र में उपभोग, उपयोग या वहां विक्रय के लिए अनुसूची-1 में विनिर्दिष्ट माल के प्रवेश पर प्रवेश-कर उद्गृहीत किया जाएगा और ऐसा कर इस अधिनियम के अधीन कर के लिए दायी प्रत्येक व्योहारी द्वारा, जिसने ऐसे माल का प्रवेश किया है, संदत्त किया जाएगा :

परन्तु इस उप-धारा के अधीन निम्नलिखित पर कोई कर उद्गृहीत नहीं होगा :—

- (i) स्थानीय माल से भिन्न, अनुसूची-1 में विनिर्दिष्ट ऐसा माल जो रजिस्ट्रीकृत व्योहारी से क्रय किया जाता है जिस पर प्रवेश कर रजिस्ट्रीकृत व्योहारी विक्रेता द्वारा देय या संदत्त किया जाता है ;
- (ii) अनुसूची-1 में विनिर्दिष्ट ऐसा माल जो स्थानीय क्षेत्र में प्रवेश के पश्चात् उसी रूप में राज्य के बाहर या अन्तर्राज्य व्यापार या वाणिज्य या भारत के राज्य क्षेत्र के बाहर निर्यात के दौरान विक्रय किया जाता है ;
- (iii) धारा 9 के अधीन प्रवेश कर से छूट प्राप्त माल और यदि किसी अवधि के दौरान अनुसूची-1 में विनिर्दिष्ट किसी माल के प्रवेश पर व्योहारी द्वारा कर संदत्त कर दिया गया है और ऐसे प्रवेश के पश्चात् माल का इस परन्तुक के खण्ड (ii) में वर्णित रीति से निपटान किया जाता है, तो व्योहारी ऐसे माल के संबंध में उस द्वारा पूर्व संदत्त के मुजरा का अधिकारी होगा और ऐसा मुजरा उस द्वारा ऐसी अवधि के देय कर में, जिस के दौरान माल का इस प्रकार निपटान किया गया था या किसी पश्चात्वर्ती अवधि में, ऐसी रीति में जैसी विहित की जाए, समायोजित किया जाएगा ; और
- (iv) ऐसा माल जिसके प्रवेश पर निर्धारण प्राधिकारी के समाधान के अनुसार यह साबित हो जाता है कि ऐसे माल पर पहले ही प्रवेश कर लगाया गया है या इस अधिनियम के अधीन प्रवेश कर किसी अन्य व्यक्ति या व्योहारी द्वारा संदत्त किए जाने के लिए दायी है :

परन्तु यह भी कि इस अधिनियम में किसी बात के होते हुए भी जब कोई रजिस्ट्री-कृत व्योहारी अपने कारबार के दौरान रजिस्ट्रीकृत व्योहारी से मित्र किसी ऐसे व्यक्ति या व्योहारी से माल का क्रय करता है जिसने स्थानीय क्षेत्र में ऐसे माल का प्रवेश ऐसे क्रय से पूर्व किया है, तो प्रवेश कर उस व्योहारी द्वारा संवत् किया जाएगा जिसने ऐसे माल का क्रय किया है।

स्पष्टीकरण : (1) इस उप-धारा के प्रयोजन के लिए संकम संविदा के निष्पादन के लिए किसी स्थानीय क्षेत्र में उपभोग या उपयोग के लिए माल का प्रवेश कारबार के दौरान माल का प्रवेश समझा जाएगा और वह व्यक्ति जिसने स्थानीय क्षेत्र में ऐसे माल का प्रवेश किया है व्योहारी समझा जाएगा।

(2) अनुसूची-2 में विनिर्दिष्ट माल पर प्रवेश कर देय नहीं होगा।

(3) राज्य सरकार, अधिसूचना द्वारा, अनुसूची-1 या अनुसूची-2 में, यथास्थिति, ऐसे पहले विनिर्दिष्ट न किए गए माल को उसमें समाविष्ट करने या पूर्व विनिर्दिष्ट माल को उसमें से अपवर्जित करने के लिए, संशोधन कर सकेगी और तदुपरि, यथास्थिति, अनुसूची-1 या अनुसूची-2 या दोनों तदनुसार संशोधित हो जाएंगी।

4. इस अधिनियम के अधीन व्योहारी द्वारा देय प्रवेश कर अनुसूचि-1 में विनिर्दिष्ट माल से संबंधित उसको कराधेय मात्रा पर कथित अनुसूचि में वर्णित दर पर प्रभारित किया जाएगा।

दर जिस पर प्रवेश कर प्रभारित किया जाएगा।

5. धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन व्योहारी द्वारा देय प्रवेश कर नीचे वर्णित सिद्धांतों के अनुसार उद्गृहीत किया जाएगा :—

व्योहारी से प्रवेश कर उद्गृहीत करने के सिद्धांत।

(क) प्रवेश कर तब तक देय नहीं होगा जब तक कि व्योहारी अनुसूची-1 में विनिर्दिष्ट माल का स्थानीय क्षेत्र में प्रवेश नहीं करता ;

(ख) जब ऐसे माल का व्योहारी द्वारा स्थानीय क्षेत्र में उपभोग, उपयोग या विक्रय किया जाता है तो जब तक उस द्वारा इसके प्रतिकूल साबित न कर दिया जायें यह उपधारणा की जाएगी कि ऐसे माल का उस स्थानीय क्षेत्र में उपभोग, उपयोग या विक्रय के लिए प्रवेश किया गया है ; और

(ग) जब कोई व्योहारी अनुसूची-1 में विनिर्दिष्ट माल का स्थानीय क्षेत्र में किसी ऐसे व्यक्ति या व्योहारी से क्रय करता है जो रजिस्ट्रीकृत व्योहारी नहीं है तो जब तक उस द्वारा इसके प्रतिकूल साबित नहीं कर दिया जाता, यह उपधारणा की जाएगी कि उस द्वारा ऐसे माल का स्थानीय क्षेत्र में प्रवेश, ऐसे व्योहारी द्वारा क्रय किए जाने से पूर्व किया गया था।

6. (1) प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्योहारी, जो अपने कारबार के दौरान अनुसूची-1 में विनिर्दिष्ट किसी माल का स्थानीय क्षेत्र में ऐसी रीति से विनिर्माण, उत्पादन या पैदावार करता है कि माल उस स्थानीय क्षेत्र के संबंध में स्थानीय माल बन जाता है, ऐसे स्थानीय माल के किसी अन्य रजिस्ट्रीकृत व्योहारी को विक्रय पर, उसे ऐसी रीति में जैसी बहिर्गत की जाए, विनिर्दिष्ट रूप से यह वर्णित करते हुए विल, बीजक या नकद पच्ची जारी करेगा कि विक्रय किया जा रहा माल ऐसे स्थानीय क्षेत्र के संबंध में स्थानीय माल है और ऐसे माल पर कोई प्रवेश कर संवत् नहीं किया गया है।

रजिस्ट्रीकृत व्योहारियों द्वारा यह विवरण देते हुए बिल इत्यादि का जारी किया जाना कि विक्रय किया गया

(2) जब उप-धारा (1) में वर्णित माल का उनके कारबार के दौरान रजिस्ट्रीकृत व्योहारियों द्वारा शुल्का के रूप में क्रय या विक्रय किया जाए, तो उप-धारा (1) में निर्दिष्ट है।

माल स्थानीय

विवरण को अन्तर्विष्ट करते हुए रजिस्ट्रीकृत व्योहारी विक्रेता, बिल या बीजक या नकदी पर्ची जारी करेगा :

परन्तु जहाँ माल ऐसे रजिस्ट्रीकृत व्योहारी द्वारा क्रय किया जाए जो ऐसे माल का प्रवेश ऐसे स्थानीय क्षेत्र से भिन्न ऐसे स्थानीय क्षेत्र में करें जिसके संबंध में ऐसा माल स्थानीय माल है, तो उसे उप-धारा (1) में निर्दिष्ट विवरण देना आवश्यक नहीं होगा ।

(3) उप-धारा (1) और (2) में निर्दिष्ट प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्योहारी स्थानीय माल के क्रयों और उपभोग, उपयोग या विक्रय का अलग लेखा रखेगा और उस स्थानीय क्षेत्र में जिसके संबंध में माल स्थानीय माल है, उस द्वारा किए गए स्थानीय माल के विक्रय के लिए अलग बिल पुस्तक और बीजक रखेगा ।

(4) जब उप-धारा (1) या उप-धारा (2) में निर्दिष्ट रजिस्ट्रीकृत व्योहारी अपने कारबार के दौरान स्थानीय माल का अन्य रजिस्ट्रीकृत व्योहारी को विक्रय करता है और उप-धारा (1) में निर्दिष्ट विवरण देने में असफल रहता है, तो यह उपधारणा की जाएगी कि उसने इस प्रकार विक्रय किए माल पर प्रवेश कर के अपवंचन को सुकर बनाया है और तदनुसार वह ऐसे माल पर देय प्रवेश-कर की रकम के द्योदे के बराबर शास्ति के संदाय के लिए दायी होगा मानो कि वह स्थानीय मूल का माल नहीं था ।

(5) जब उप-धारा (2) में निर्दिष्ट रजिस्ट्रीकृत व्योहारी अपने कारबार के दौरान उस द्वारा क्रय किए गए स्थानीय माल का अन्य रजिस्ट्रीकृत व्योहारी को विक्रय करता है और उप-धारा (2) द्वारा यथा अपेक्षित बिल, नकद पर्ची या बीजक जारी नहीं करता है तो यह उपधारणा की जाएगी कि उसने इस प्रकार विक्रय किए माल पर प्रवेश कर के अपवंचन को सुकर बनाया है और वह ऐसे माल पर देय प्रवेश-कर की रकम के द्योदे के बराबर शास्ति के संदाय के लिए दायी होगा मानो कि वह स्थानीय मूल का माल नहीं था ।

जिम्मा लिए उत्तरदायित्व या बाध्यता को पूरा करने की असफलता पर शास्ति ।

7. जब किसी व्योहारी ने इस अधिनियम या उसके अधीन बनाए गए नियमों या धारा 9 के अधीन जारी की गई अधिसूचना के उपबन्धों के अधीन घोषणा जारी की हो जिसमें उसने ऐसी घोषणा के जारी किए जाने के पश्चात् उस द्वारा क्रय किए गए किसी माल के संबंध में किसी विनिर्दिष्ट उत्तरदायित्व या बाध्यता का जिम्मा लिया हो और वह ऐसे उत्तरदायित्व या बाध्यता को पूरा करने में असफल रहता है तो ऐसा व्योहारी ऐसे माल के संबंध में अनुसूची-1 में वर्णित दरों पर संगणित प्रवेश-कर के द्योदे के बराबर शास्ति के संदाय के लिए दायी होगा ।

अनुसूची-1 में विनिर्दिष्ट कर की दर का संशोधन ।

8. राज्य सरकार, अधिसूचना द्वारा अनुसूची-1 में विनिर्दिष्ट प्रवेश-कर की दर का संशोधन कर सकेगी और तदुपरि कथित अनुसूची तदनुसार संशोधित हो जाएगी :

परन्तु प्रवेश कर की दर में इस अधिनियम के प्रारम्भ होने पर, अनुसूची-1 में विनिर्दिष्ट की गई दर से 50 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी नहीं की जाएगी :

परन्तु यह और भी कि ऐसी अधिसूचना जारी किए जाने के इसके आशय के "शासकीय राजपत्र" में ऐसे पूर्ववर्ती नोटिस किए बिना, जैसा कि राज्य सरकार के विचार में युक्तियुक्त हो, इस धारा के अधीन अधिसूचना जारी नहीं की जाएगी ।

(2) उप-धारा (1) के अधीन जारी की गई प्रत्येक अधिसूचना, इसके जारी किए जाने के पश्चात्, यथाशक्यशीघ्र विधान सभा पटल पर रखी जाएगी ।

9. राज्य सरकार, अधिसूचना द्वारा ऐसे निबन्धनों और शर्तों के अधीन रहते हुए छूट देने की जैसी कि उसमें विनिर्दिष्ट की जाएं, चाहे भविष्यलक्षी रूप में या भूतलक्षी रूप में, निम्नलिखित को पूर्णतः या भागतः छूट दे सकेगी :—

- (i) इस अधिनियम के अधीन प्रवेश-कर के संदाय से, ऐसी अवधि के लिए जैसी कि अधिसूचना में विनिर्दिष्ट की जाए, सभी या किन्हीं स्थानीय क्षेत्रों के संबंध में, व्योहारियों या व्यक्तियों के किसी भी वर्ग को या किसी माल या माल के वर्ग पर ;
- (ii) अधिनियम के किन्हीं उपबन्धों से, जैसे कि अधिसूचना में विनिर्दिष्ट किए जाएं, किसी व्योहारी या व्योहारियों के वर्ग को ।

10. (1) यह साबित करने का भार व्योहारी पर होगा कि :—

सबूत का भार ।

- (क) व्योहारी ने अनुसूची-1 में विनिर्दिष्ट माल का स्थानीय क्षेत्र में उपभोग, उपयोग या विक्रय के लिए प्रवेश नहीं किया है ;
- (ख) व्योहारी ने स्थानीय क्षेत्र में संकम संविदा के निष्पादन में उपभोग या उपयोग के लिए किसी माल का प्रवेश नहीं किया है ;
- (ग) व्योहारी कराधेय क्रय मूल्य की संगणना के प्रयोजन के लिए स्थानीय माल के क्रय मूल्य के संबंध में कटौती का हकदार है ;
- (घ) व्योहारी द्वारा स्थानीय क्षेत्र में किसी ऐसे व्यक्ति या व्योहारी से जो रजिस्ट्रीकृत व्योहारी नहीं है, क्रय किया गया माल, उस द्वारा क्रय किए जाने से पूर्व उस स्थानीय क्षेत्र में प्रवेश नहीं हुआ था ;
- (ङ) व्योहारी कराधेय मात्रा की संगणना में किसी अन्य कटौती का हकदार है ।

(2) ऐसे स्थानीय माल के क्रय मूल्य के संबंध में, जिसका उसी स्थानीय क्षेत्र में उपभोग, उपयोग या विक्रय किया गया है जिसके संबंध में ऐसा माल स्थानीय माल है, कटौती के दावे के प्रयोजन के लिए, व्योहारी ऐसे रजिस्ट्रीकृत व्योहारी से जिससे उसने उस स्थानीय क्षेत्र में स्थानीय माल का क्रय किया है, धारा 6 में विनिर्दिष्ट रीति से अभिप्राप्त बिल, बीजक या नकद पर्ची पेश करेगा जैसा कि धारा 6 की उप-धारा (1) और (2) में उपबंधित है ।

11. इस अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों के अधीन रहते हुए विक्रय कर अधिनियम, 1968 की धारा 3, 8, 12, 14, 15, 16, 17क, 18, 19, 20, 21, 23, 24, 26, 28 क, 29, 30, 31, 32, 34, 35, 38, 39 और 40 और उसके अधीन जारी किए गए नियम, आदेश और अधिसूचनाएं, यथावश्यक परिवर्तन सहित इस अधिनियम के अधीन उद्गृहीत और देय प्रवेश-कर के संबंध में व्योहारी पर लागू होंगी मानों ये धाराएं यथावश्यक परिवर्तन सहित इस अधिनियम में सम्मिलित की गई थी और इन धाराओं के अधीन जारी किए गए नियम, आदेश और अधिसूचनाएं, यथावश्यक परिवर्तन सहित इस अधिनियम में इस प्रकार सम्मिलित की गईं सुसंगत धाराओं के अधीन जारी की गईं थीं ।

12. इस अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अधीन रहते हुए इस अधिनियम का प्रभासन, जहां तक वह व्योहारियों से प्रवेश-कर उद्गृहीत, निर्धारण और बसूल करने से संबंधित है, विक्रय कर अधिनियम की धारा 3 में विनिर्दिष्ट प्राधिकारियों में निहित होगा और तदनुसार विक्रय कर अधिनियम के अधीन तत्सम्य किसी कर के संदाय के लिए निर्धारण, पुनःनिर्धारण, बसूल प्रवेश कर का निर्धारण, वसूल हो इत्यादि ।

करने और प्रवर्तन के लिए सशक्त प्राधिकारी इस अधिनियम के अधीन व्योहारी द्वारा देय किसी शास्ति सहित प्रवेश-कर के संदाय का निर्धारण, पुनःनिर्धारण, वसूली, और प्रवर्तन करेगा मानो व्योहारी द्वारा इस अधिनियम या धारा 11 के अधीन इस अधिनियम के अधीन उद्गृहीत करने के संबंध में व्योहारियों को यथा लागू किए गए विनियमों के अधिनियम के उपबंधों के अधीन व्योहारी द्वारा देय कर या शास्ति उस अधिनियम के अधीन देय कर या शास्ति हो और वे इस प्रयोजन के लिए इस अधिनियम द्वारा या के अधीन प्रदत्त सभी या किन्हीं शक्तियों का प्रयोग कर सकेंगे।

आदेशों की प्रतियक्षा।

13. इस अधिनियम में अभिव्यक्त रूप से जैसा उपबन्धित है, उसके सिवाय निर्धारण प्राधिकारी, अपील प्राधिकारी या पुनरीक्षण प्राधिकारी द्वारा इस अधिनियम के अधीन दिया गया प्रत्येक आदेश अन्तिम होगा और किसी मूल बाद, आवेदन या निष्पादन या कार्यवाही में प्रश्नगत नहीं होगा और इस अधिनियम के द्वारा या अधीन प्रदत्त किन्हीं शक्तियों के अधीन की गई या की जाने वाली कार्रवाई के संबंध में या भू-राजस्व की बकाया के रूप में की जाने वाली किसी वसूली के संबंध में किसी भी न्यायालय या अन्य प्राधिकारी द्वारा आदेश मंजूर नहीं किया जाएगा।

कतिपय मामलों में मुजरा।

14. जब किसी व्योहारी या किसी व्यक्ति द्वारा छावनी बोर्ड की परिसीमाओं में समाविष्ट किसी स्थानीय क्षेत्र में माल के प्रवेश पर प्रवेश-कर देय है और छावनी बोर्ड द्वारा उस स्थानीय क्षेत्र में उपभोग, उपयोग या विक्रय के लिए माल के प्रवेश पर, प्रवेश-कर या चुंगी के रूप में कोई कर उद्गृहीत हो तो ऐसा व्योहारी या व्यक्ति या तो उस द्वारा छावनी बोर्ड को संबद्ध साबित किए गए वास्तविक कर या इस अधिनियम के अधीन देय कर के बराबर की रकम, जो भी कम हो, के मुजरे का विहित रीति से हकदार होगा।

नियम बनाने की शक्ति।

15. (1) राज्य सरकार इस अधिनियम के प्रयोजनों को कार्यान्वित करने के लिए नियम बना सकेगी।

(2) विशिष्टतः और पूर्वगामी शक्तियों की व्यापकता पर श्रुतिकूल प्रभाव डाले बिना, राज्य सरकार निम्नलिखित विहित करते हुए नियम बना सकेगी:—

(क) रीति जिसमें धारा (3) की उप-धारा (1) के परन्तुक के अधीन मुजरा समायोजित किया जाएगा;

(ख) रीति जिसमें धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन व्योरे विनिर्दिष्ट किए जाएंगे;

(ग) रीति जिसमें धारा 14 के अधीन मुजरा दिया जाएगा; और

(घ) कोई अन्य बात जो विहित की जाती है या विहित की जाए।

(3) इस अधिनियम के अधीन बनाया गया प्रत्येक नियम, बनाए जाने के पश्चात्, यथाप्रावधान, विधान सभा के समक्ष, जब वह सत्र में हो, कुल दस दिन की अवधि के लिए रखा जाएगा। यह अवधि एक सत्र में या दो या अधिक आनुक्रमिक सत्रों में पूरी हो सकेगी, और यदि उस सत्र के जिसमें उसे इस प्रकार रखा गया है या उपर्युक्त सत्र के अवसान से पूर्व विधान सभा उस नियम में कोई परिवर्तन करती है तो तत्पश्चात् वह उस परिवर्तित रूप में ही प्रभावी होगा, यदि उक्त अवसान के पूर्व विधान सभा यह विनिश्चय करती है कि वह नियम नहीं बनाया जाना चाहिए तो तत्पश्चात् वह नियम निष्प्रभाव हो जाएगा किन्तु नियम के ऐसे परिवर्तित या निष्प्रभाव होने से उसके अधीन पहले की गई किसी बात की विधिमान्यता पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।



अनुसूची-1

(धारा 4 और 8 देखिये)

क्रम संख्या	माल का बिबरण	क्रय कीमत/बाजार मूल्य पर प्रवेश कर की दर
1	2	3
1.	कोक सहित किन्तु काठ कोयला रहित कोयला	1 प्रतिशत
2.	केन्द्रीय विक्रय कर अधिनियम की धारा 14 के अधीन यथा परिभाषित लोहा और इस्पात	1 प्रतिशत
3.	केन्द्रीय विक्रय कर अधिनियम की धारा 14 के अधीन परिभाषित तिलहन	1 प्रतिशत
4.	कपड़ा	3 प्रतिशत
5.	सभी प्रकार का टेक्स्टाइल	3 प्रतिशत
6.	चीनी	3 प्रतिशत
7.	सभी स्वरूप की सिगरेटें, बीड़ियाँ और तम्बाकू	3 प्रतिशत
8.	अन्य माल जिनका इस अनुसूची या अनुसूची-2 में विशेष रूप से उल्लेख नहीं है।	2 प्रतिशत

## अनुसूचि-2

[धारा 3 (2) देखिए]

प्रवेश कर से छूट प्राप्त माल

क्रम संख्या 1	माल का विवरण 2	टिप्पणी 3
1. सब्जियाँ		टिन, बोतलों या डिब्बों में बेची जाने वाली को छोड़ कर।
2. दूध		संघनित और सूखे दूध को छोड़ कर।
3. मांस, मछली और अंडे		टिन, बोतलों या डिब्बों में बेचे जाने वाले को छोड़ कर।
4. ताजे फल		---
5. साधारण नमक		बन्द आधान में बेचे जाने वाले को छोड़ कर।
6. फूल		---
7. पान		
8. पुस्तकें		
9. नियतकालिक पत्रिकाएं		
10. अभ्यास और रेखाचित्र पुस्तिकाएं		
11. लिखने की स्लेटें और स्लेट पेन्सिलें		
12. लिखने का खड्गिया और क्रेयण		
13. सामान्यतः विद्यालयों में प्रयुक्त किए जाने वाले फुटरूल		
14. विद्युत ऊर्जा		
15. हिमाचल प्रदेश मोटर स्प्रिट (विक्रम कराधान) अधिनियम, 1968 में यथा परिभाषित मोटर स्प्रिट।		
16. निम्नलिखित व्योरे के अनुसार कृषि उपकरण और उनके भागः—		

## (क) साधारण कृषि उपकरण :

1. कुदाल या खुर्पा
2. दराती
3. फावड़ा
4. बागुरी
5. हथपट्टिया कुदाल
6. उद्यान कृषि संबंधी औजार,  
जैसे चरमा लगाने का चाकू, कलम कैंची, काट-छांट  
कैंची या हुक, झाड़ी-कतरनी, छिड़काव-शारी, जंजी।
7. फुहारित्र, धूलित्र और फुहारित्र-धूलित्र
8. दा मश्रंतवैशक
9. जंदरा
10. पहियेदार ठेला
11. ओसाई पंखा या ओसाई मशीन

1 2

3

12. छिद्र-वपनक
13. गंडासा
14. अलोडक
15. उर्वरक और बिखेरक
16. मक्का शल्कक
17. मूंगफली डिकोरटीकेटर
18. खाद या बीज छाननी
19. ज्वाला बन्दूक
20. बीज श्रेणीकर्ता
21. हस्त चालित भूसा मशीन
22. तसला
23. तांगली

(ख) बैलों द्वारा चालित कृषि उपकरण :

1. पंजाली
2. हल
3. फेरो
4. कल्टीवेटर या त्रिफाली
5. बीज वपित्र, उर्वरक वपित्र, बीज एवं उर्वरक वपित्र
6. प्लाटर
7. प्लाट या फ्लोट
8. सेवलर या स्कूप
9. रिज्जर
10. डिचर
11. बंध फौरमर
12. टरेशर या पाला
13. ट्रांसप्लान्टर
14. भूसा मशीन
15. परमिथन व्हील और बकिट चैन या बाशर चैन
16. छकड़ा
17. मूवर
18. रीपर
19. गन्ना झशर
20. केन जूस बोअरालिंग पेन और ग्रेटिंग
21. रोलर

(ग) ट्रैक्टर चालित कृषि उपकरण :

1. हल
2. हैरो
3. कर्षक या टिल्लर
4. सीड ड्रिल, उर्वरक ड्रिल या सीड एवं उर्वरक ड्रिल
5. उर्वरक ब्रॉडकास्टर

1

2

3

6. प्लांटर
7. प्लैक या फ्लोट
8. लैवलर या स्कूप
9. बंध फीरमर
10. रिज्जर
11. ट्रेलर
12. पडुलर
13. डिक्चर
14. केज व्हील
15. स्प्रेयर, डस्टर या स्प्रेयर एवं डस्टर
16. रोलर
17. हो, रोटरी हो या रोटोवेटर
18. रोपर या मोवर, हारवेस्टर
19. कोन बाइन
20. पट्टो हारवेस्टर या स्पिनर
21. ग्राउंडनट डिग्नर शौकर
22. ट्रांसप्लांटर

(घ) विद्युत उपकरण

1. ग्रैशर
2. चैफ कटर (चाराकटर)
3. मेज शीलर
4. ग्राउंडनट डिग्नरी कटर
5. सीड ग्रेडर
6. बिन ओवर
7. बीज उपचारक
8. विद्युत स्प्रेयर या डस्टर
9. स्वचालित कारबाइन
10. अपकेन्द्री पम्प
11. कुक्कुट खाद्य को पीसने और मिलाने की मशीन
12. प्ररोपक
13. स्पिनिंग व्हील (चरखा) और इसके भाग
14. भारतीय रैड-क्रास सोसाइटी तथा सेंट जॉन एम्बुलैन्स एसोसिएशन को बेचा गया समस्त माल।
15. एक व्यक्ति या उसके परिवार के सदस्य द्वारा स्वयं उगाई गई या किसी भूमि पर जिसमें उस का स्वामी या भोगवन्धकदार या मुजारे के रूप में या अन्यथा हित हो, उगाये गये कृषि या बागवानी उत्पादन का बेचा जाना।
20. न्यायिक और न्यायिकेतर स्टाम्प, मनोरंजन शुल्क स्टाम्प, यात्री और माल कर स्टाम्प और स्टैण्डर्ड वाटर मार्कड यांत्रिका कागज।

1

2

3

21. उरवर्क (खली के अतिरिक्त)

22. हाथ से काता हुआ धागा

जब उस व्यक्ति द्वारा बेचा जाए जो केवल हाथ से काते हुए धागे का ही व्यापार करता है।

23. कच्चे रंग से रंगा चमड़ा जिसे अर्ध रंगा चमड़ा कहा जाता है; जो गांवों में प्रायः ग्रामीणों द्वारा रंगा जाता है (कारखाने में रंगे चमड़े के अतिरिक्त)

24. रयोड़ी, पतंगे, भवक, मिसरी (मिसरी या कूजा), गोलियाँ, बूरा मखाणें, मरुण्डा तथा फुल्लियाँ

25. कृत्रिम श्रवण सहायता यन्त्र और सहायक उपकरण

26. सब्जी का बीज और छोटी पौध

27. अनाज और दाल के छिलकों तथा खली को छोड़ कर प्रत्येक किस्म का चारा (सूखा और हरा)

28. कुम्हार द्वारा बनाये गये मिट्टी के बर्तन

29. कीकर का छिलका

30. पम्बा चपल तथा सेण्डलों सहित देसी जूतियाँ

जब ऐसे जूते बनाने वाले द्वारा स्वयं या उसके परिवार के किसी दूसरे सदस्य द्वारा बेचा जाता है, बशर्ते कि बनाने वाला कोई बाहरी मजदूर भर्ती नहीं करता या जूते बनाने में किसी भी अवस्था में बिजली का प्रयोग नहीं करता है।

31. स्कूलों में विद्यार्थियों द्वारा प्रयोग की जाने वाली तख्तियाँ

32. किसी भी स्तर पर बिजली का प्रयोग न करके बनाया गया बैकरी का माल

जब केवल उसी माल के ध्वार पार करने वाले बैकरी द्वारा आधान या पैकटों के अतिरिक्त अन्यथा बेचा जाता है।

33. कुठ

34. औद्योगिक सहाकरिताओं द्वारा हथकरघा कपड़े से बनी हथकरघे की सभी वस्तुएँ तथा बने बनाए कपड़े

जब पंजीकृत सहाकारी समितियों के विक्रय डिपूओं तथा सरकारी इम्पोरियम के माध्यम से बेचा गया हो।

35. स्ट्राकबर

जब निर्माताओं द्वारा स्वयं या अपने मजदूर संघों के माध्यम से बेचे गये हों।

36. तिब्बतियन रफयजी हैण्डिकाफ्ट्स एवं प्रोडक्शन सेंटर डलहौजी, तिब्बतियन हैण्डिकाफ्ट प्रोडक्शन एवं सेल कोम्प्रापरेटिव इण्डस्ट्रियल सोसाइटी लिमिटेड, मकलो-डमंज, धर्मशाला और तिब्बतियन काफ्ट कम्प्यूनेटी

जब इस प्रकार केन्द्र द्वारा या उसके किसी शाखा कार्यालय द्वारा बेचा गया हो।

1

2

3

तोशीगंज पपरोला (हिमाचल प्रदेश) द्वारा बनाई हस्त-  
शिल्प की सभी वस्तुएं

37. मनुष्यों या पशुओं द्वारा चलाए गये देसी कोल्हूओं, जब ऐसे कोल्हूओं के स्वामियों से निकाला गया सरसों, तोरिया और तिल के खाने द्वारा बेचा जाता है।  
वाले तेल
38. कुककट खाद्य जिसे प्रोटीन लवणों और खनिजों, प्रति-  
जीव, विटामिनों का मिश्रण चाहे ऐसे मिश्रण में कार्बो-  
हाइड्रेट हो या नहीं
39. जल (ऐक्वापूरा)
40. कम्बोमन (निरोध)  
जब किसी सामान्य व्यापारिक  
एजेन्सी के माध्यम से बेचा गया  
हो।
41. कैण्टीन भण्डार विभाग द्वारा सीधे या किसी प्राधिकृत कैण्टीन  
ठेकेदारों या यूनिट द्वारा चलाई जा रही कैण्टीन के माध्यम  
से सैनिकों और भूतपूर्व सैनिकों को बेची गई सभी वस्तुएं
42. ईंधन तेल/उर्बरक उत्पादन में फीडस्टाक के रूप में प्रयुक्त  
भारी भण्डार
43. ग्राम की गुठलियां और गिरियां
44. कीटनाशक, जलतनाशक और फैन्गसनाशी
45. क्लोरोक्वीन
46. बैल  
जब निर्माता द्वारा स्वयं या उसके  
परिवार के किसी अन्य सदस्य  
द्वारा बेचा जाता है बशर्ते कि  
निर्माता कोई मजदूर भर्ती नहीं  
करता या बैल बनाने के लिए  
किसी स्तर पर बिजली का प्रयोग  
नहीं करता है।
47. फलों को बन्द करने की पेटियां
48. इमारती लकड़ी
49. केन्द्रीय विक्रय कर अधिनियम के अधीन यथा परि-  
भाषित अनाज और दालें

[Authoritative English text of the Himachal Pradesh Sthaneeya Kshetra me  
Malke Pravi sh par kar Adhiniyam, 1985 (1985 ka Adhiniyam Sankhyank 11)  
as required under clause (3) of the Article 348 of the Constitution of India]

Act No. 11 of 1985.

## THE HIMACHAL PRADESH TAX ON ENTRY OF GOODS INTO LOCAL AREA ACT, 1985

(As Assented to by the Governor on 26th August, 1985).

### AN ACT

to provide for the levy of entry tax on the entry of goods into a local area in  
Himachal Pradesh for consumption, use or sale therein.

BE it enacted by the Legislative Assembly of Himachal Pradesh in the  
Thirty-sixth Year of the Republic of India as follows:—

1. (1) This Act may be called the Himachal Pradesh Tax on entry of  
Goods into Local Area Act, 1985.

(2) It shall extend to all the local areas in Himachal Pradesh.

(3) It shall come into force at once.

Short title,  
extent and  
commence-  
ment.

2. (1) In this Act, unless there is anything repugnant in the subject or  
context,—

Definitions.

(a) "entry of goods into a local area" with all its grammatical varia-  
tions and cognate expressions means entry of goods into that local  
area from any place outside thereof including a place outside the  
State for consumption, use or sale therein;

(b) "entry tax" means a tax on entry of goods into a local area for con-  
sumption, use or sale therein levied and payable in accordance with  
the provisions of this Act;

(c) "law relating to local authority" means the Cantonment Act, 1924,  
the Himachal Pradesh Municipal Act, 1968 and the Himachal  
Pradesh Municipal Corporation Act, 1979, as the case may be;

(d) "local area" means the area comprised within the limits of a local  
authority;

(e) "local authority" means an authority constituted under a law rela-  
ting to local authority, but shall not include such local authority as  
the State Government may, by notification, specify;

(f) "local goods" in relation to a local area means goods of local origin  
as distinct from goods which enter into that local area;

(g) "Sales Tax Act" means the Himachal Pradesh General Sales Tax  
Act, 1968;

(h) "taxable market value" in relation to goods specified in Schedule I  
means the market value thereof excluding the market value of those  
goods to which clauses (ii) to (iv) of the first proviso to sub-sec-  
tion (1) of section 3 apply;

(i) "taxable purchase value" in relation to goods specified in Schedule I  
means the purchase price thereof excluding the purchase value of  
those goods to which clauses (ii) to (iv) of the first proviso to sub-  
section (1) of section 3 apply;

2 of 1924  
19 of 1968  
9 of 1980

24 of 1968

- (j) "taxable quantum" in relation to a dealer means the aggregate of the taxable purchase value and the taxable market value; and
- (k) "works contract" means a contract relating to construction of works like buildings and other immovable property and fittings and installations to movable or immovable property in the execution whereof goods are consumed or used but not sold.

(2) All those expressions, which are used but are not defined in this Act and are defined in the Sales Tax Act, shall have the meanings assigned to them in that Act.

24 of 1968

(3) Any reference in this Act to the expression "has effected entry of goods" with its grammatical variation and cognate expression, whether used in isolation or in conjunction with any other words, shall, wherever necessary, be construed as including a reference to "has caused to be effected entry of goods".

Incidence  
of taxation.

3. (1) There shall be levied an entry tax on the entry in the course of business of a dealer of goods specified in Schedule I into each local area for consumption, use or sale therein and such tax shall be paid by every dealer liable to tax under this Act who has effected entry of such goods:

Provided that no tax under this sub-section shall be levied:—

- (i) in respect of goods specified in Schedule I, other than local goods, purchased from a registered dealer on which entry tax is payable or paid by the selling registered dealer;
- (ii) in respect of goods specified in Schedule I, which after entry into a local area are sold in the same form outside the State or in the course of inter-State trade or commerce or in the course of export out of the territory of India;
- (iii) in respect of goods exempted from entry tax under section 9 and if tax on the entry of any goods specified in Schedule I effected during any period has been paid by a dealer and subsequent to such entry the goods are disposed of in the manner described in clause (ii) of this proviso, the dealer shall be entitled to a set off, of the tax already paid by him in respect of such goods and such set off shall be adjusted towards the tax payable by him for the period during which the goods were so disposed of or for any subsequent period in such manner as may be prescribed; and
- (iv) in respect of goods on the entry of which it is proved to the satisfaction of the Assessing Authority that such goods have already been subjected to the entry tax or that the entry tax is liable to be paid by any other person or dealer under this Act:

Provided further that notwithstanding anything contained in this Act where a registered dealer in the course of his business, purchases goods from a person or a dealer other than a registered dealer who has effected entry of such goods into the local area prior to such purchase, the entry tax shall be paid by the dealer who has purchased such goods.

*Explanation.*—For the purpose of this sub-section the entry of goods into a local area for consumption or use therein in the execution of a works contract shall be deemed to be the entry of goods in the course of business and the



person who has effected the entry of such goods into a local area shall be deemed to be a dealer.

(2) No entry tax shall be payable on the goods specified in Schedule II.

(3) The State Government may, by notification, amend Schedule I or Schedule II so as to include therein or exclude therefrom any goods not already specified or any goods already specified, as the case may be, and thereupon Schedule I or Schedule II or both, as the case may be, shall stand amended accordingly.

4. The entry tax payable by a dealer under this Act shall be charged on his taxable quantum relating to goods specified in Schedule I at the rates mentioned in the said schedule.

Rate at which entry tax to be charged.

5. The entry tax payable by a dealer under sub-section (1) of section 3 shall be levied in accordance with the principles stated below:—

Principles governing levy of entry tax on a dealer.

(a) entry tax shall not be payable unless the dealer effects entry of goods specified in Schedule I into a local area;

(b) where any such goods are consumed, used or sold in a local area by a dealer, it shall be presumed until the contrary is proved by him, that such goods had entered into that local area for consumption, use or sale therein; and

(c) when a dealer purchases goods specified in Schedule I in a local area from a person or a dealer who is not a registered dealer, it shall be presumed, unless the contrary is proved by him, that the entry of such goods had been effected by him into such local area before they were purchased by such dealer.

6. (1) Every registered dealer who, in the course of his business, manufactures, produces or grows any goods specified in Schedule I in a local area in such manner that the goods become local goods in relation to that local area, shall on the sale of such local goods to any other registered dealer, issue to him a bill, invoice or cash memo specifically stating in such manner as may be prescribed, that the goods being sold are local goods in relation to such local area and that no entry tax has been paid on such goods.

Registered dealers to issue bill etc. stating that goods sold are local goods

(2) Where the goods mentioned in sub-section (1) are purchased and sold in the course of their business by a chain of registered dealers, the selling registered dealer shall issue a bill or invoice or cash memo, containing the statement referred to in sub-section (1):

Provided that where the goods are purchased by a registered dealer who effects the entry of such goods into a local area other than the local area in relation to which such goods are local goods, it shall not be necessary for him to make the statement referred to in sub-section (1).

(3) Every registered dealer referred to in sub-section (1) and (2) shall maintain a separate account of purchases and consumption, use or sale of local goods and separate bill books and invoices for the sales of local goods effected by him in the same local area in relation to which the goods are local goods.

(4) Where a registered dealer referred to in sub-section (1) or sub-section (2) has, in the course of his business, sold local goods to other registered dealer and has failed to make the statement referred to in sub-section (1), it shall be presumed that he has facilitated the evasion of entry tax on the local goods so sold and accordingly he shall be liable to pay penalty equal to one and a half times the amount of entry tax payable on such goods as if they were not goods of local origin.

(5) Where any registered dealer referred to in sub-section (2); in the course of his business has sold local goods purchased by him to other registered dealer and a bill, cash memo or invoice is not issued by him as required by sub-section (2), it shall be presumed that he has facilitated the evasion of entry tax on the local goods so sold and he shall be liable to pay a penalty equal to one and a half times the amount of entry tax payable on such goods as if they were not goods of local origin.

Penalty for failure to fulfil responsibility or obligation undertaken.

7. Where any dealer issues a declaration under the provisions of this Act or the rules made thereunder or any notification issued under section 9 wherein he has undertaken any specific responsibility or obligation in regard to any goods purchased by him after the issue of such declaration and he fails to fulfil such responsibility or obligation, such dealer shall be liable to pay a penalty equal to one and a half times the entry tax computed at the rate mentioned in Schedule I in respect of such goods.

Amendment of rate of tax specified in Schedule I.

8. (1) The State Government may, by notification, amend the rate of entry tax specified in Schedule I and thereupon the said schedule shall stand amended accordingly:

Provided that the rate of entry tax shall not be increased by more than 50% of the rate specified in Schedule I at the commencement of this Act:

Provided further that no notification shall be issued under this section without giving in the "Official Gazette" such previous notice, as the State Government may consider reasonable, of its intention to issue such notification.

(2) Every notification issued under sub-section (1) shall, as soon as may be, after it is issued, be laid on the Table of the Legislative Assembly.

Power to exempt.

9. The State Government may, by notification, and subject to such restrictions and conditions as may be specified therein, exempt whether prospectively or retrospectively, in whole or in part,—

(i) any class of dealers or persons, or any goods or class of goods, from the payment of entry tax under this Act, in respect of all or any of the local areas, for such period as may be specified in the notification; and

(ii) any dealer or class of dealers from any provisions of the Act as may be specified in the notification.

Burden of proof.

10. (1) The burden of proving :—

(a) that a dealer has not effected the entry of any goods specified in Schedule I into a local area for consumption, use or sale therein;

(b) that a dealer has not effected the entry of any goods into a local area for consumption or use therein in the execution of a works contract;

- (c) that a dealer is entitled to deduction in respect of purchase value of local goods for the purpose of the computation of taxable purchase value;
- (d) that goods purchased by a dealer in a local area from a person or a dealer who is not a registered dealer had not entered into that local area before they were purchased by him;
- (e) that a dealer is entitled to any other deductions in computing the taxable quantum,

shall be on the dealer.

(2) For purposes of claiming deduction in respect of the purchase value of local goods which have been consumed, used or sold in the same local area in relation to which such goods are local goods the dealer shall produce a bill, invoice or cash memo in the manner specified in section 6 obtained from the registered dealer from whom he has purchased the local goods in that local area as provided in sub-sections (1) and (2) of section 6.

11. Subject to the provisions of this Act and the rules made thereunder, sections 3,8,12,14,15,16,17-A,18,19,20,21,23,24,26,28-A,29,30,31,32,34,35, 38, 39 and 40 of the Sales Tax Act and the rules, orders and notifications issued thereunder shall *mutatis mutandis* apply to the dealer in respect of entry tax levied and payable under this Act as if these sections were *mutatis mutandis* incorporated in this Act and the rules, orders and notifications issued under these sections were *mutatis mutandis* issued under the relevant sections as so incorporated in this Act.

Certain provisions of Sales Tax Act to apply.

12. Subject to the provisions of this Act and the rules made thereunder the administration of this Act in so far as it relates to levy, assessment and collection of entry tax from dealers shall vest in the authorities specified in section 3 of the Sales Tax Act and accordingly the authorities for the time being empowered to assess, re-assess, collect and enforce payment of any tax under the Sales Tax Act shall assess, re-assess, collect and enforce payment of entry tax including any penalty payable by a dealer under this Act as if the tax or penalty payable by such dealer under this Act or under the provisions of the Sales Tax Act as made applicable under section 11 to dealers in relation to tax levied under this Act is a tax or penalty payable under that Act and for this purpose they may exercise all or any of the powers conferred upon them by or under that Act.

Assessment, collection etc. of entry tax.

13. Save as otherwise expressly provided in this Act, every order made by an assessing authority, appellate authority or a revising authority under this Act shall be final and shall not be called in question in any original suit, application or execution or proceeding and no injunction shall be granted by any court or other authority, in respect of any action taken or to be taken in pursuance of any power conferred by or under this Act or in respect of any recovery to be made as an arrear of Land Revenue.

Finality of orders.

14. Where entry tax is payable by a dealer or by any person in respect of the entry of goods into a local area comprised within the limits of a Cantonment Board and a tax in the nature of an entry tax or octroi is levied by the Cantonment Board on the entry of goods into that local area for consumption, use or sale therein, such dealer or person shall be entitled to a set off in the prescribed manner of an amount equal to either the tax proved to have been actually paid by him to the Cantonment Board or the tax payable under this Act, whichever is less.

Set off in certain cases.

24 of 1968

24 of 1968

24 of 1968

24 of 1968

Power to  
make rules.

15. (1) The State Government may make rules to carry out the purposes of this Act.

(2) In particular and without prejudice to the generality of the foregoing power, the State Government may make rules prescribing:—

(a) the manner in which set-off shall be adjusted under proviso to sub-section (1) of section (3);

(b) the manner in which details shall be specified under sub-section (1) of section 6;

(c) the manner in which the set-off shall be given under section (14); and

(d) any other matter which has to be or may be prescribed.

(3) Every rule made under this Act shall be laid, as soon as may be after it is made, before the Legislative Assembly while it is in session, for a total period of not less than ten days, which may be comprised in one session or in two or more successive sessions, and if before the expiry of the session in which it is so laid or the session aforesaid, the Assembly makes any modification in the rule or decides that the rule should not be made, the rule shall thereafter have effect only in such modified form or be of no effect, as the case may be, so, however, that any such modification or annulment shall be without prejudice to the validity or anything previously done under that rule.

SCHEDULE—I

(See sections 4 and 8)

Sr. No.	Description of goods	Rate of entry tax on purchase price/market value
1	2	3
1.	Coal including coke but excluding charcoal	.. 1 per cent
2.	Iron and steel as specified in section 14 of the Central Sales Tax Act, 1956.	.. 1 per cent
3.	Oil seeds as specified in section 14 of the Central Sales Tax, 1956.	.. 1 per cent
4.	Cloth	.. 3 per cent
5.	All types of Textile	.. 3 per cent
6.	Sugar	.. 3 per cent
7.	Cigarettes, biddles and tobacco in all forms	.. 3 per cent
8.	Other goods not specifically mentioned in this Schedule or Schedule II.	.. 2 per cent.

## SCHEDULE—II

[See section 3 (2)]

## GOODS EXEMPTED FROM ENTRY TAX

Sl. No.	Description of goods	Remarks
1	2	3
1.	Vegetables	Except when sold in tins, bottles or cartons.
2.	Milk	Except condensed and dried milk.
3.	Meat, fish and eggs	Except when sold in tins, bottles or cartons.
4.	Fresh fruits	
5.	Common salt	Except when sold in sealed container.
6.	Flowers	
7.	Pan	
8.	Books	
9.	Periodicals	
10.	Exercise and drawing books	
11.	Writing slates and slate pencils	
12.	Writing chalks and crayons	
13.	Foot-rulers of the type, usually used in schools	
14.	Electric energy	
15.	Motor spirit as defined in the Himachal Pradesh Motor Spirit (Taxation of Sales) Act, 1968.	
16.	Agricultural implements and parts thereof as per detail below:—	
A.	ORDINARY AGRICULTURE IMPLEMENTS:	
1.	Hand Hoe or Khurpa	
2.	Sickle	
3.	Spade	
4.	Baguri	
5.	Hand-Wheel Hoe	
6.	Horticulture tools like budding grafting knife, secateur, pruning shear or hook, hedge shear, sprinkler, rake.	
7.	Sprayer, duster and sprayer-cum-duster	
8.	Soil injector	
9.	Jandra	
10.	Wheel barrow	
11.	Winnowing fan or winnower	
12.	Dibbler	
13.	Gandasa	
14.	Puddler	
15.	Fertilizer broadcaster	
16.	Maize sheller	
17.	Groundnut dicorticator	
18.	Manure or seed screen	
19.	Flame gun	

1

2

3

20. Seed grader
21. Hand driven chaff-cutters
22. Tasla
23. Tangli

#### B. BULLOCK DRAWN AGRICULTURAL IMPLEMENTS :

1. Yoke
2. Plough
3. Harrow
4. Cultivator or triphali
5. Seed drill, fertilizer drill, seed-cum-fertilizer drill
6. Planter
7. Plank or float
8. Leveller or scoop
9. Ridger
10. Ditcher
11. Bund former
12. Thrasher or palla
13. Transplanter
14. Chaff-cutter
15. Persian wheel, and bucket chain or washer chain
16. Cart
17. Mower
18. Reaper
19. Sugarcane crusher
20. Cane juice boiling pan and grating
21. Roller

#### C. TRACTOR DRAWN AGRICULTURAL IMPLEMENTS :

1. Plough
2. Harrow
3. Cultivator or tiller
4. Seed drill, fertilizer drill or seed-cum-fertilizer drill
5. Fertilizer broadcaster
6. Planter
7. Plank or float
8. Leveller or scoop
9. Bund former
10. Ridger
11. Trailer
12. Puddler
13. Ditcher
14. Cage wheel
15. Sprayer, duster or sprayer-cum-duster
16. Roller
17. Hoe, rotary hoe or rotovator
18. Reaper or mower, harvester
19. Combine
20. Potato harvester or spinner
21. Groundnut digger shaker
22. Transplanter.

1

2

3

## D. POWER IMPLEMENTS :

1. Thrasher
2. Chaff-cutter
3. Maize sheller
4. Groundnut dicorticator
5. Seed grader
6. Winnowing
7. Seed treater
8. Power sprayer or duster
9. Self-propelled combine
10. Centrifugal pump
11. Poultry feed grinder and mixer
12. Transplanter
17. Spinning wheel (Charkha) and its parts
18. All goods sold to the Indian Red Cross Society and St. John Ambulance Association.
19. Agricultural or horticultural produce sold by person or a member of his family, grown by himself or grown on any land in which he has an interest whether as owner or usufructuary mortgagee, tenant or otherwise.
20. Judicial and non-judicial stamps, entertainment duty stamps, passengers and goods tax stamps and standard water marked petition paper.
21. Fertilizers (except oil cakes)
22. Hand spun yarn
23. Crudely tanned leather called half tanned leather, usually tanned by villagers in villages (other than that tanned in a factory).
24. Reori, patashas, gajjaks, misri (candy or cooza), golies, boora, makhana, marunda and phulian.
25. Artificial hearing aids and their accessories
26. Vegetable seed and saplings
27. Fodder of every type (dry or green) but not including chhilka of foodgrains, pulses and oil-cake
28. Earthenware made by Kumhars
29. Kikar bark
30. Country made Jootis including Chamba Chappals and Sandles

When sold by one who deals in hand spun yarn exclusively.

When sold by the maker of such shoes himself or by any other member of his family, provided that the maker does not employ any outside labour or use power at any stage for making the shoes.

31. Takhties used by students in school.



1

2

3

32. Bakery goods prepared without using power at any stage

When sold otherwise than in containers and packets by bakers dealing exclusively in such goods.

33. Kuth

34. All articles of handicrafts and ready-made garments made out of handloom cloth by the industrial co-operatives.

When sold through the Government Emporium and the sales depots of Registered Co-operative Societies.

35. Straw covers

When sold by manufacturers themselves or through their labour unions.

36. All articles of handicrafts prepared by the Tibetan Refugees Handicrafts-cum-Production Centre, Dalhousie, Tibetan Handicrafts Production-cum-Sale Co-op., Industrial Society Ltd., Mcleod Ganj, Dharamshala Cantt. and Tibetan Craft Community Tashi Jong, Paprola, Himachal Pradesh.

When sold by such centre or any of its branch office.

37. Edible oils produced from Sarson, Toria and Till in indigenous Kohlus, whether worked by animals or human beings

When sold by the owners of such Kohlus.

38. Poultry feed, that is to say a mixture of proteins, salts and minerals, vitamins, antibiotics and coccidiostats, whether such mixture contains carbohydrates or not.

39. Water (aqua pura)

40. Condoms

When sold through general trade agencies.

41. All goods sold to the serving military personnel and ex-servicemen by the Canteen Stores Department direct or through the authorised Canteen Contractors or through Unit-run Canteen.

42. Fuel oil/heavy stock used as feed stock in fertilizer production

43. Mango stones and mango kernels

44. Insecticides, pesticides and fungicides

45. Chloroquine

46. Baan

When sold by the maker himself or by any other member of his family; provided that the maker does not employ any outside labour or use power at any stage for making the Baan.

47. Fruit packing cases

48. Timber

49. Cereals and pulses as defined under the Central Sales Tax Act, 1956.